भजन

धंन धंन कलियुग प्राणनाथ आए,साहेब आए
दुनिया को मुक्ति हैं देने वो आए

1–धर्म ग्रन्थ सब जिनको पुकारें,
खोज खोज के त्रैगुण हारे
सब कोई अपनी अपनी कहते
भेद मगर ये समझ न पाते
श्री प्राणनाथ अब आए समझाने
2– जीव आत्म का भेद बताया
दोनों को अलग करके दिखाया
सब खुद को आत्म हैं कहते
आत्म तो नहीं है इस जग में
संग आत्म को लेकर वो आए
3–भवसागर से पार हों कैसे
ये बतलाया मेरे साहेब ने
अनन्य प्रेम से पालव बांधो
वाणी पे इनकी ईमान ले आओ
हीरा जन्म ये यूं न गंवाओ